आपकी खबरों का संसार...

अतुल्य संसार

संस्करणः जयपुर

हिन्दी समाचार पत्र...

RNI No.-RJHIN/2015/63826

web: www.atulyasansar.com

Digital Edition

www.liveworldnews.in

वर्षः 10 | अंकः 328 | जयपुर, सोमवार 08 जून, 2026 | मूल्यः 2 रुपए | पृष्ठः 4

संगठनात्मक विचारों... पेज 2

सीमाल्या में अतिक्रमण... पेज 3

25 सितंबर की बगावत पायलट के खिलाफ थी: गहलोत

विधायक नहीं चाहते थे सचिन पायलट मुख्यमंत्री बने, अब भी इश्यू बना हुआ है

जयपुर। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने सचिन पायलट पर सियासी हमला बोला है। गहलोत ने कहा- 25 सितंबर 2022 की बगावत सचिन पायलट के खिलाफ थी, हाईकमान के खिलाफ नहीं थी। उन्होंने कहा- अगर मैं बगावत करता तो हाईकमान मुझे मुख्यमंत्री रखता क्या? पायलट ने सच्चाई स्वीकार करना सीखा नहीं। उन्होंने गलती की है तो उसे स्वीकार करना चाहिए। इसलिए इश्यू आज तक बना हुआ। पायलट मेरी फॉरगेट एंड फॉरगिव की भावना को समझ जाते तो मानेसर का मुद्दा जिंदा नहीं रहता। गहलोत ने रविवार को जयपुर में कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में मीडिया से ये बात कही।

मुझे बदनाम कर दिया कि मुख्यमंत्री रहने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बने

गहलोत ने कहा- जिस पद पर पंडित नेहरू रहे हों और सोनिया गांधी मुझे कांग्रेस अध्यक्ष बनाती तो क्या मैं मना करता? वो तो स्थिति ऐसी बना दी, वो भी एक षड्यंत्र था। अचानक ऑब्जर्वर आ गए, तमाशा हो गया। बदनाम मैं हो गया।

विधायकों ने कहा था- पायलट मुख्यमंत्री मंजूर नहीं होंगे, ये मानेसर ले जाने वालों में थे

गहलोत ने कहा- 25 सितंबर की घटना उस व्यक्ति के खिलाफ ही हुई थी, जिसका नाम चल गया था कि ये मुख्यमंत्री की शपथ ले सकते हैं, पायलट साहब। इनके खुद के लोगों ने चला दिया। ऐसा माहौल बन गया कि 100 विधायक इकट्ठे हो गए। विधायकों ने कहा था- अशोक गहलोत जा रहा है अध्यक्ष बनने के लिए। नया मुख्यमंत्री बने तो उनमें से बने, जिन्होंने हाईकमान के साथ लॉयल्टी दिखाई। हम होटलों में बंद रहे हैं, सरकार बचाई। हम 100 लोग में से किसी को मुख्यमंत्री पद दे दीजिए, हमें मंजूर है। लेकिन पायलट साहब मंजूर नहीं होंगे, क्योंकि वो तो मानेसर ले जाने वालों में थे।

मैं बगावत करता तो हाईकमान मुझे मुख्यमंत्री क्यों रखती?

गहलोत ने कहा- ये विधायकों की मांग थी, उसको तोड़-मरोड़कर कहा कि हाईकमान के खिलाफ

विधायक पायलट के पास क्यों नहीं गए? ये बात पायलट को समझनी चाहिए

गहलोत ने कहा- हिंदुस्तान के इतिहास में जब कभी भी हाईकमान ने तय किया कि मुख्यमंत्री बदलना चाहिए, बदलने का फैसला कर लेते हैं तो 90% एमएलए पुराने सीएम को छोड़ नए बनने वाले के पास चले जाते हैं। उन्हें पता होता है कि उनके काम तो नए मुख्यमंत्री से पड़ेंगे। ये तो मैंने देखा है, कोई नहीं रुकता है। गहलोत ने कहा- क्या कारण था उस दिन नए मुख्यमंत्री का नाम चल पड़ा। खुद ने चला दिया, उनके दोस्तों ने चला रिवोल्ट (विरोध) हो गया। अरे हाईकमान के खिलाफ बगावत होती तो मैं मुख्यमंत्री रह पाता क्या? अगर हम बगावत करते तो हाईकमान मुझे मुख्यमंत्री क्यों रखती? ये तो आरोप लगाने वाले को समझना चाहिए।

मानेसर का इश्यू खत्म करने पायलट का बयान क्यों नहीं आया?

गहलोत ने कहा- मैंने बीकानेर में 6 महीने पहले कहा था भूलो इसको अब आप, मानेसर को भूलो। क्या मेरे मानेसर भूलने की बात कहने के बाद में कोई स्टेटमेंट दिया। उसके बाद उनके पास नहीं गए, क्यों नहीं गए भाई? मान लीजिए वो तो शपथ लेने वाले थे। जाते उनके पास।

पायलट को आज भी बच्चे की तरह मानता हूं, इन्हें पता नहीं कौन गाइड कर रहा

गहलोत ने कहा- ये बात सचिन पायलट को भी समझनी चाहिए, अब उनको भी करीब 15-20 साल हो गए राजनीति करते हुए, एमपी बने हुए। उनको भी कई अनुभव प्राप्त हो चुके हैं। हम सब कोई उनके दुश्मन नहीं हैं। हम तो बचपन से स्नेह रखते हैं, इनके परिवार में आते-जाते थे।

आया ऐसा? इशारों में ही आया क्या? भाई चलो ये इश्यू खत्म हो गया, क्योंकि उनके एडवाइजर वैसे ही होंगे। उनके एडवाइजर ऐसे ही दिखते हैं, इस कारण से ये इश्यू बना रहता है। हम नहीं चाहते इश्यू बना रहे, जो हो गया सो हो गया। गलती इंसान से ही तो होती है। लेकिन जब तक कोई गलती को स्वीकार नहीं करे तो भाई आप जानते हो इश्यू तो बना ही रहता है। मैं नहीं चाहता इश्यू बना रहे।

मैंने पायलट को केंद्रीय मंत्री बनाने में मदद की

गहलोत ने कहा- इनको (पायलट को) केंद्रीय मंत्री बनाया, मैंने उनको केंद्रीय मंत्री बनाने में मदद की। उन्होंने अपनी जुबान से ये कभी नहीं कहा। इस बात की मुझे शिकायत भी है। उन्हें मालूम है कि मैंने उनकी मदद की है। उनका फोन आया तो मैंने कहा आपके लिए बात कर ली है, आप मंत्री बन जाओगे। उन्होंने ये बात जुबान से नहीं कही, ये दु:ख तो होता है, हम लोगों को भी।

पायलट अपने दोस्तों से भी कहते कि गहलोत ने मदद की तो मेरा दिल भर जाता

गहलोत ने कहा- भाई, अगर वो अपने दोस्तों में भी कहते कि हां भाई अशोक गहलोत ने मेरी मदद की थी, तो मेरा दिल भर जाता। उन्होंने ये बात क्यों नहीं कही? जब मुझसे वो फोन कर रहे हैं, रिक्वेस्ट कर रहे हैं कि मेरे को मंत्री बनाने में मदद करो। मैं मदद करके आ गया तो क्या उनका धर्म नहीं था कहने का भाई देखो मतलब अशोक गहलोत ने मेरी मदद भी की थी।

हमारी गलतफहमी हो गई आपस में, वो कुछ तो कहते

गहलोत ने कहा- ठीक है, आज हमारी आपस में गलतफहमी हो गई। वो कुछ तो कहते। ये बातें नहीं कही उसके कारण आज सब कुछ बातें आगे ब? रही हैं। दुनिया में सच्चाई का कोई विकल्प नहीं है, सुन लो।

पायलट को कभी प्रधानमंत्री, कभी कांग्रेस अध्यक्ष का उम्मीदवार बता देते हैं

गहलोत ने कहा- मीडिया का एक वर्ग ऐसा है, जो कभी पायलट साहब को प्राइम मिनिस्टर बना देते हैं। ये प्राइम मिनिस्टर के उम्मीदवार हैं। कभी कहते हैं कांग्रेस प्रेसिडेंट के उम्मीदवार हैं। कभी कहते हैं ये कांग्रेस वर्किंग प्रेसिडेंट बनने जा रहा है। कभी कहते हैं ये जीएसओ बनने जा रहे हैं। कभी कहते हैं पीसीसी अध्यक्ष बनने जा रहे हैं। क्यों पायलट साहब के पीछे पड़े हुए हो तुम लोग?

पायलट को गलती स्वीकार करनी चाहिए

गहलोत ने कहा- मैं कहना चाहूंगा पायलट साहब को सच्चाई स्वीकार करनी चाहिए। गलती इंसान से ही तो होती है, मैं भी कर सकता हूं। उन्होंने गलती कर दी तो स्वीकार कर लेना चाहिए। जब तय हो गया था कि ये लोग भी आ रहे हैं। आते ही मैंने बयान दिया था कि फॉरगेट एंड फॉरगिव। सचिन पायलट अगर उस दिन मेरी भावना समझ जाते, वो भी फॉरगेट एंड फॉरगिव करते। मैंने ये नहीं कहा कि मेरी गलती नहीं थी, उसकी गलती थी। मैंने कहा फॉरगेट एंड फॉरगिव, मतलब जिसने गलतियां की, आपस में गलतियां कीं। सब भूलो और माफ करो। उनको वो बात भी अगर समझ में नहीं आई, उसमें मेरा क्या कसूर है?

राहुल गांधी अभी जूली-डोटासरा की तारीफ करके गए कि ये जुगल जोड़ी बनी रहे

गहलोत ने कहा- पायलट साहब हों, डोटासरा, जूली या चाहे कोई नेता हों। सबको हम तो यही कहेंगे भाई, सब लोग मिलकर चलो। राजस्थानी कांग्रेस का मान-सम्मान हाईकमान राहुल गांधी के दिमाग में ऐसा है, जो कोई विश्वास नहीं कर सकता। बार-बार वो कह भी चुके हैं। गहलोत ने कहा- राहुल गांधी अभी पीसीसी प्रेसिडेंट की और जूली साहब की तारीफ करके गए कि ये जुगल जोड़ी बनी रहे। अच्छा काम आप लोग कर रहे हो। अगर वो कह दें, इससे बडा कॉम्प्लीमेंट क्या होगा?

गजेंद्र शेखावत घबराया हुआ आदमी, अपना मंत्री पद बचाए

गहलोत ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर पलटवार करते हुए कहा- गजेंद्र शेखावत तो घबराया हुआ आदमी है। पता नहीं वह कब तक मंत्री रहेगा, उसे ही नहीं मालूम है। उसे चाहिए कि वह अपना मंत्री पद बचाए, पता नहीं कब छुट्टी हो जाए। उसके जो कारनामे थे, हाईकोर्ट से उसे रिलीफ नहीं मिली है। वह तो सरकार बदल गई, इसलिए एसओजी ने नई रिपोर्ट दे दी कि केस नहीं बनता। हमने 22 महीने लगाकर जांच करवाई थी। पूरी तकनीकी जांच हुई। हमने सीधे अरेस्ट नहीं किया, हम गलत काम नहीं करते।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर आज से 29 महंगा:

दिल्ली में 942, पटना में 1040 का मिलेगा

3 महीने में दाम 89 बढ़े

नई दिल्ली। घरेलू एलपीजी सिलेंडर 29 रुपए महंगा हो गया है। नई दरें आज रात 12 बजे से लागू हो गई हैं। दिल्ली में अब 14.2 किलो वाला गैस सिलेंडर 913 से बढ़कर 942 का हो गया है। तीन महीने में दूसरी बार एलपीजी की कीमत बढ़ाई गई है। इससे पहले 7 मार्च को एलपीजी सिलेंडर के दाम 60 बढ़ाए गए थे। इस तरह 3 महीने के अंदर घरेलू सिलेंडर 89 रुपए महंगा हो गया है। न्यूज एजेंसी के सूत्रों के अनुसार, तेल कंपनियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ी ऊर्जा लागत और घरेलू बिक्री पर नुकसान के कारण कीमतें बढ़ानी पड़ी हैं।

दुनिया में सबसे सस्ती कुकिंग गैस भारत में मिल रही

इस बीच सरकार का कहना है कि दुनिया भर में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच भारतीय परिवारों को सबसे सस्ती कुकिंग गैस मिल रही है। भारत में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत पड़ोसी देशों और अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया जैसी एडवांस इकोनॉमी के मुकाबले काफी कम है। वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती लागत का बोझ सरकार खुद उठा रही है और इसे आम उपभोक्ताओं पर पास-ऑन नहीं होने दिया गया है।

उज्जवला लाभार्थियों को 642 रुपए में मिल रहा सिलेंडर

भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें

अंतरराष्ट्रीय बाजार से जुड़ी हुई हैं। इसके बावजूद सरकार घरेलू एलपीजी की कीमतों को नियंत्रित रखती है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को हर साल रिफिलिंग पर प्रति सिलेंडर 300 रुपए की अतिरिक्त सब्सिडी सीधे बैंक खाते में मिलती है। यह छूट साल के पहले 4 सिलेंडरों पर लागू होती है, जिससे उन्हें एक सिलेंडर प्रभावी रूप से 642 रुपए का पड़ता है। भारत में 10.58 करोड़ से ज्यादा उज्ज्वला कनेक्शन हैं।

लागत 1600 पार, सरकार उठा रही प्रति सिलेंडर 700 का बोझ

अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस की कीमतों में हुई बढ़ोतरी के बाद भारत में एक घरेलू एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई लागत (कॉस्ट टू सप्लाई) 1,600 रुपए से ऊपर पहुंच गई है। इसका मतलब है कि सरकारी तेल कंपनियों को हर घरेलू सिलेंडर पर करीब 700 रुपए की अंडर-रिकवरी (नुकसान) हो रही है। इस अंडर-रिकवरी के अंतर को पब्लिक सेक्टर की ऑयल मार्केटिंग कंपनियां झेल रही हैं, जिसकी आंशिक भरपाई सरकार द्वारा की जाती है। पिछले वित्त वर्ष के अंत तक घरेलू एलपीजी पर कुल अंडर-रिकवरी बढ़कर 60,000 करोड़ रुपए पहुंच गई, जो इससे पिछले साल 41,338 करोड़ रुपए थी। केंद्रीय कैबिनेट ने इसके लिए कंपनियों को 30,000 करोड़ रुपए के मुआवजे को मंजूरी दी है।

घरेलू प्रोडक्शन 60% बढ़ाया, अमेरिका-कनाडा से शुरू की खरीद

सप्लाई को सुरक्षित रखने के लिए भारत ने घरेलू एलपीजी उत्पादन को 60% से अधिक बढ़ाते हुए करीब 32 टीएमटी से 52 टीएमटी तक पहुंचा दिया। इसके साथ ही होर्मुज रूट के बाहर के देशों जैसे अमेरिका, कनाडा और अल्जीरिया से भी गैस की खरीद शुरू की गई। उपलब्ध गैस की सप्लाई में घरों के साथ अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों जैसे प्रायोरिटी यूजर्स को प्राथमिकता दी गई। दूसरी तरफ मांग के दबाव को कम करने के लिए ग्राहकों को पाइप्ड नेचुरल गैस इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित किया गया। घरेलू गैस की कॉमर्शियल मार्केट में चोरी रोकने के लिए ओटीपी आधारित डिलीवरी वेरिफिकेशन को बढ़ाकर 90% तक कर दिया गया है।

एलपीजी से पहले पेट्रोल, डीजल और एलपीजी के दाम भी बढ़े

पिछले कुछ हफ्तों में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी के दाम भी बढ़े हैं। मई में पेट्रोल और डीजल की कीमतें कुल मिलाकर 7.50 प्रति लीटर बढ़ चुकी हैं, जबकि सीएनजी करीब 6 प्रति किलो महंगी हुई है। कंपनियों को पेट्रोल पर करीब 11 प्रति लीटर और डीजल पर 33.6 प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है। इसके बावजूद कंपनियों का दावा है कि पेट्रोल-डीजल अभी भी लागत से कम कीमत पर बेचे जा रहे हैं। सरकार का कहना है कि वैश्विक कीमतों में हुई पूरी बढ़ोतरी का बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला गया है। कच्चे तेल के महंगे होने का कुछ बोझ सरकारी तेल कंपनियां खुद उठा रही हैं।

होटल-रेस्टोरेंट के लिए कॉमर्शियल सिलेंडर 3,113.50 का हुआ

होटल और बिजनेस में इस्तेमाल होने वाले कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतें हर महीने अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क के आधार पर खुद-ब-खुद बदलती हैं। पश्चिम एशिया संकट के दौरान 5 बार दाम बढ़ने के बाद दिल्ली में 19 किलोग्राम का कॉमर्शियल सिलेंडर 3,113.50 रुपए (करीब 164 रुपए प्रति किलोग्राम) पर बिक रहा है। इसकी तुलना में घरेलू उपभोक्ता केवल 66 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से भुगतान कर रहे हैं।

पश्चिम एशिया तनाव से सऊदी एलपीजी बेंचमार्क 46% महंगा हुआ

भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का 60% हिस्सा आयात करता है। इसकी लैंडेड कॉस्ट सऊदी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस से तय होती है, जिसे सऊदी अरामको हर महीने की शुरुआत में फिक्स करती है। पश्चिम एशिया में आए व्यवधान और फरवरी के अंत में होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के बाद गैस की कीमतों में भारी उछाल आया है। फरवरी में जो सऊदी सीपी बेंचमार्क 542.50 डॉलर प्रति टन पर था, वह अप्रैल में बढ़कर 775 डॉलर और जून 2026 में 790 डॉलर प्रति टन पर पहुंच गया है। इस तरह फरवरी के मुकाबले जून तक एलपीजी बेंचमार्क में करीब 46% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिसमें प्रोपेन 39% और ब्यूटेन 52% महंगा हुआ है।

होर्मुज रूट बंद होने के बाद भी भारत ने जारी रखी सप्लाई

दुनिया के करीब एक-तिहाई तेल और भारत की 54% एलपीजी का आयात होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते ही होता है। इस मार्ग पर संघर्ष के कारण जहां अधिकांश कॉमर्शियल ट्रैफिक रुक गया, वहीं भारत ने बेहतर तालमेल के जरिए अपने जहाजों की आवाजाही जारी रखी। भारतीय झंडे वाले टैंकर लगातार इस रास्ते से कच्चे तेल और एलपीजी की खेप लेकर भारतीय बंदरगाहों तक पहुंचे, जिससे देश में किसी भी पेट्रोलियम प्रोडक्ट की किल्लत नहीं हुई।

क्या होती है अंडर-रिकवरी?

तेल और गैस कंपनियां जिस कीमत पर अंतरराष्ट्रीय बाजार से ईंधन खरीदती हैं या रिफाइन करती हैं, यदि सरकार के निर्देश पर आम जनता को उससे कम कीमत पर ईंधन बेचा जाए, तो उस लागत और बिक्री मूल्य के अंतर को अंडर-रिकवरी कहा जाता है। यह सीधे तौर पर ग्राहकों को महंगाई से बचाने के लिए कंपनियों द्वारा सहा गया घाटा है।

भाजपा शहर मंडल उदयपुरवाटी की मासिक बैठक संपन्न हुई

मंडल अध्यक्ष एडवोकेट लक्ष्मण राम सैनी की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक

उदयपुरवाटी/सुमेर सिंह राव। कस्बे में पुरानी सब्जी मंडी के पास स्थित शिशु वाटिका सभागार में उदयपुरवाटी मंडल की मासिक बैठक मंडल अध्यक्ष एडवोकेट लक्ष्मण राम सैनी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य वक्ता चोरे लाल सैनी उन्होंने मंडल पदाधिकारी के साथ संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा की द्य बैठक में मंडल अध्यक्ष ने 7 जून से 21 जून के मध्य आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई तथा अलग-अलग पदाधिकारीयो को जिम्मेदारी दी गई एवं मंडल को सशक्तिकरण के उद्देश्य से बूथ अध्यक्षों एवं शक्ति केंद्र संयोजकों के पुनर्गठन पर भी विचार विमर्श किया गया द्य इस अवसर पर पूर्व बैठक के कार्यों की समीक्षा की गई द्य इस मौके पर मंडल महामंत्री अशोक सैनी ,वीरेंद्र सिंह शेखावत, राजेंद्र ढेनवाल , आनंद सैनी ,दिनेश सैनी ,अशोक कड़वासरा ,राम सिंह सैनी, सुरेश सैनी ,विनोद कुमावत ,राम लखन शर्मा आदि उपस्थित रहे।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर आमजन को किया जागरूक

● अतुल्य संसार नेटवर्क

जयपुर द्वितीय। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान डॉक्टर टी शुभमंगला के निर्देश पर सी एम एच ओ जयपुर द्वितीय की फूड सेफ्टी टीम ने रविवार को प्रात: काल जवाहर सर्किल पर आमजन को खाद्य सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं के बारे में जागरूक किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय डॉक्टर मनीष मित्तल ने बताया कि टीम द्वारा जवाहर सर्किल पर सुबह मॉर्निंग वॉक पर आये लगभग 800-1000 नागरिको को फूड सेफ्टी के विषय में जानकारी दी गई। इसके लिए विभाग द्वारा आमजन हेतु तैयार की गई आई ई सी सामग्री के रूप में पैंफलेट, ब्रोशर एवं घर बैठे खाद्य सामग्री में मिलावट का पता करने हेतु डार्ट बुक वितरित की गई। फूड सेफ्टी ऑन व्हील मोबाइल टेस्टिंग लैब में खाद्य पदार्थों में मिलावट चैक करने की विधि बताई गई।

दूध, मावा, पनीर, मसालों के 15 नमूनों में मिलावट की जांच की गई। फूड सेफ्टी पर संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें संयुक्त आयुक्त खाद्य सुरक्षा डॉक्टर वी पी शर्मा ने इस वर्ष के खाद्य सुरक्षा दिवस की थीम चुनौतियों से समाधान की ओर-सभी के लिए सुरक्षित भोजन पर लोगों को ईट राइट इंडिया कार्यक्रम, गुड फूड-बैड फूड की जानकारी देते हुए मोटे अनाज के सेवन को बढ़ावा देने एवं तेल, चीनी, नमक का सेवन कम करने, जीवन शैली में खानपान में बदलाव कर बीमारियों से दूर रहने के बारे में बताया। आमजन को छाछ, मिलेट से तैयार बिस्किट, चॉकलेट बार, मुरमुरे आदि का वितरण कर दैनिक खानपान में मिलेट को अपनाने का संदेश दिया गया।

टीम द्वारा जवाहर सर्किल स्थित चौपाटी की लगभग दो दर्जन फूड स्टॉल का सघन निरीक्षण कर स्टॉलधारियों को अच्छी खाद्य सामग्री उपयोग में लेने, खाद्य पदार्थों को ढककर रखने, फूड लाइसेंस प्रदर्शित करने, तेज गर्मी को देखते हुए आलू, मैदा आदि से तैयार सामग्री को ठंडी जगह रखने एवं दो घंटे बाद उपयोग में नहीं लेने हेतु पाबंद किया गया। टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुशील चोटवानी, विनोद थारवान, रमेश यादव, नंद किशोर कुमावत, अवधेश गुप्ता एवं राजेश नागर एवं प्रशिक्षु खाद्य सुरक्षा अधिकारी शामिल रहे।

संगठनात्मक विचारों के आदान-प्रदान से संगठन को मिलेगी मजबूती, संगठन का निर्णय सर्वोपरिः अजेय कुमार

मेरी सरकार-सबसे अच्छी सरकार, इस भावना के साथ जाए आमजन के बीचः- अजेय कुमार

संगठन की शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ताओं और प्रभावी संवाद व्यवस्था में ही निहितः- मदन राठौड़

संगठन महामंत्री अजेय कुमार ने प्रदेश मीडिया, आईटी, सोशल मीडिया और प्रवक्ता-पैनेलिस्टों के साथ की संगठनात्मक बैठक

● अतुल्य संसार नेटवर्क

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश मुख्यालय जयपुर में भाजपा प्रदेश मीडिया विभाग, प्रवक्ता-पैनेलिस्ट, आईटी एवं सोशल मीडिया विभाग की संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार ने मीडिया, प्रवक्ता, आईटी एवं सोशल मीडिया विभाग के पदाधिकारियों के साथ विस्तृत संगठनात्मक चर्चा की। उन्होंने सभी प्रवक्ताओं एवं पदाधिकारियों से परिचयात्मक संवाद करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के विषय पर विचार-विमर्श किया। अजेय कुमार ने कहा कि संगठनात्मक विचारों के सतत आदान-प्रदान से संगठन को मजबूती मिलती है। पार्टी के प्रवक्ताओं एवं मीडिया से जुड़े कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वे भाजपा की नीतियों, विचारधारा तथा संगठन के कार्यों को प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं का एक ही ध्येय होना चाहिए कि मेरी सरकार, सबसे अच्छी सरकार, इस भावना को ध्यान में रखते हुए चौपाल, सोशल मीडिया पर प्रचार-प्रसार करें। उन्होंने कहा कि संगठन हित की बातें सार्वजनिक रूप से करें तथा संगठन का निर्णय सर्वोपरि है ऐसी भावना के साथ कार्य करें। भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी के संविधान एवं संगठनात्मक मर्यादाओं के अनुरूप कार्य करता है। संगठन हित से जुड़े विषयों को प्राथमिकता देते हुए केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश में हुए विकास कार्यों, गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जानी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देशहित में लिए गए कठोर निर्णय और कुटनीतिक रणनीति के कारण आज भारत की वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा बढ़ी है। उन्होंने मीडिया, सोशल मीडिया एवं आईटी विभाग के पदाधिकारियों से सकारात्मक संवाद, तथ्यात्मक प्रस्तुति और प्रभावी प्रचार-प्रसार संगठन के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों को आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि संगठन की शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ताओं और प्रभावी संवाद में निहित होती है। मीडिया, सोशल मीडिया एवं आईटी विभाग वर्तमान समय में संगठन की विचारधारा, नीतियों और जनहितकारी कार्यों को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को तथ्यपरक, सकारात्मक एवं जिम्मेदार संवाद के माध्यम से जनता के बीच पार्टी की रीति-नीति और सरकार की उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना चाहिए। राठौड़ ने विश्वास व्यक्त किया कि संगठन के सभी विभाग आपसी समन्वय और टीम भावना के साथ कार्य करते हुए भाजपा को और अधिक मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी, मिथिलेश गौतम, प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रमोद वशिष्ठ, आईटी विभाग प्रदेश संयोजक अविनाश जोशी, सोशल मीडिया विभाग प्रदेश संयोजक हिरेंद्र कौशिक, मुख्य प्रदेश प्रवक्ता रामलाल शर्मा, विधायक एवं प्रदेश प्रवक्ता कुलदीप धनकड़ सहित पार्टी के प्रवक्ता, पैनेलिस्ट, आईटी और सोशल मीडिया के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सम्पूर्ण सोजत उपखण्ड में ESIC सुविधा प्रारम्भ होने पर भव्य जागरूकता एवं स्वास्थ्य लाभ शिविर आयोजित

● अतुल्य संसार नेटवर्क

सोजत सिटी/मीठालाल पंवार। कर्मचारी राज्य बीमा निगम की सुविधाओं को आमजन तक पहुँचाने तथा कर्मचारियों एवं नियोक्ताओं को उनके अधिकारों एवं लाभों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मोतीचंद सेठिया आदर्श विद्या मंदिर, सोजत सिटी में एक भव्य ESIC जागरूकता एवं स्वास्थ्य लाभ शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर डॉ. शान्तिलाल सांखला (IMP ESI Doctor, Sojat City) के तत्वावधान में आयोजित हुआ ।

कार्यक्रम में श्री हीरा लाल, शाखा प्रबंधक, ESIC शाखा कार्यालय, पाली तथा श्री जसराज राणावत, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी, ESIC शाखा कार्यालय, पाली मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में श्री हीरा लाल ने कहा कि ESIC देश की सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में से एक है, जो कर्मचारियों और उनके परिवारों को बीमारी, दुर्घटना, मातृत्व, विकलांगता एवं आश्रित लाभ जैसी व्यापक सुविधाएं प्रदान करती है। उन्होंने कर्मचारियों से योजना का अधिकतम लाभ लेने तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।

श्री जसराज राणावत ने नियोक्ताओं को ESIC पंजीकरण, अंशदान प्रक्रिया, कानूनी अनुपालनों एवं निगम द्वारा उपलब्ध कराई जा रही ऑनलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि समय पर पंजीकरण एवं अनुपालन से कर्मचारियों को बेहतर सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराई जा सकती है। शिविर के दौरान उपस्थित कर्मचारियों, नियोक्ताओं एवं ESIC लाभार्थियों को ESIC की विभिन्न योजनाओं, चिकित्सा सुविधाओं, कैश बेनिफिट्स, दुर्घटना सहायता, मातृत्व लाभ, विकलांगता लाभ तथा आश्रित पेंशन संबंधी जानकारी विस्तार से प्रदान की गई। साथ ही प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों एवं शंकाओं का समाधान विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर सोजत निजी विद्यालय संचालक संघ के अध्यक्ष श्री किशना राम चौधरी, कोषाध्यक्ष श्री धनपत टाक, स्थानीय विद्यालय के श्री राजावत सहित अनेक गणमान्य नागरिक, शिक्षाविद्, व्यापारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिविर के संयोजक डॉ. शान्तिलाल सांखला ने कहा कि सोजत क्षेत्र में ESIC सुविधा प्रारम्भ होना कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अब उन्हें उपचार एवं अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभों के लिए दूरस्थ स्थानों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। उन्होंने भविष्य में भी ESIC संबंधी जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम का प्रभावी एवं प्रेरणादायी संचालन डॉ. वासुदेव सांखला, संरक्षक, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन, सोजत द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया। यह शिविर न केवल ESIC के प्रति जागरूकता बढ़ाने का माध्यम बना, बल्कि सम्पूर्ण सोजत उपखण्ड में सामाजिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी सिद्ध हुआ।

पर्यावरण संरक्षण के लिए 11 हजार वृक्ष लगाने का संकल्प

पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण का हुआ आयोजन, हस्ताक्षर अभियान का हुआ शुभारम्भ

● अतुल्य संसार नेटवर्क

सुमेर सिंह राव। निकटवर्ती गोविंदपुरा के पास स्थित हरजनपुरा मेंभारत विकास परिषद एवं गायत्री परिवार नीमकाथाना के संयुक्त तत्वावधान में बालाजी धाम, हरजनपुरा में पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण की शपथ दिलाई गई तथा जन-जागरूकता के उद्देश्य से हस्ताक्षर अभियान का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारत विकास परिषद के अध्यक्ष डॉ. जी. एस. तंवर ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की आवश्यकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिकाधिक वृक्षारोपण कर उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद एवं गायत्री परिवार नीमकाथाना द्वारा 11 हजार वृक्ष लगाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने इस अभियान को जन-आंदोलन बनाने तथा अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने का संकल्प व्यक्त किया। पर्यावरणविद् जुगल किशोर शर्मा ने अपने संबोधन में 16 जून से झड़ाया धाम में आयोजित होने वाले यज्ञ को वृक्षारोपण के संकल्प के साथ महायज्ञ बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़कर समाज में व्यापक जागरूकता उत्पन्न की जा सकती है तथा प्रत्येक श्रद्धालु को एक पौधा लगाने और उसके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। हिमालय ट्रस्ट के डॉ. हीरा जी. शंकर, एवं डॉ. रामावतार गजराज ने घोषणा की कि झड़ाया धाम में आयोजित होने वाले यज्ञ के दौरान शेखावाटी क्षेत्र के उन पर्यावरणविदों को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर समाज में विशेष पहचान स्थापित की है। कार्यक्रम में बालाजी धाम के पुजारी गोकुल महाराज ने पर्यावरण संरक्षण को धार्मिक और सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए सभी को प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद के पदाधिकारी दिनेश गोयल, नितेश अग्रवाल, चौथमल गर्ग, जय सिंह भगोठ, बनवारी लाल एवं विजेंद्र कुमार सहित इंद्र कुमार मीणा, पं. रविंद्र शर्मा, राजकुमार बड़वा तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में पर्यावरण संरक्षण को जन-जन तक पहुंचाने, वृक्षारोपण को सामाजिक अभियान का स्वरूप देने तथा हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया गया।

प्रदेश प्रवक्ता बनने पर राजेश तंवर का सोजत के सर्व समाज द्वारा भव्य स्वागत

● अतुल्य संसार नेटवर्क

सोजत सिटी/मीठालाल पंवार। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त होने पर राजेश तंवर का शनिवार को सोजत के विभिन्न समाजों के पंचों एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा बिलाड़िया गेट के बाहर स्थित राम कुटिया में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। स्वागत समारोह में सोजत विधायक शोभा चौहान, पूर्व कैबिनेट मंत्री लक्ष्मीनारायण दवे, जिला उपाध्यक्ष नरपत राज सोलंकी, श्यामलाल गहलोत, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष कन्हैयालाल ओझा, सुलतान राम देवासी, हीरालाल कांठेड़, महेंद्र देवासी, जगदीश सिंह राजपुरोहित, तरुण सोलंकी, राजकुमार चौधरी सहित विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में माली समाज, घांची समाज, सीरवी समाज, ब्राह्मण समाज, राजपूत समाज, प्रजापत समाज, वैष्णव समाज, देवासी समाज, मेवाड़ा समाज, गर्ग समाज, कायस्थ समाज, वाल्मीकि समाज एवं सेन समाज के लोगों ने राजेश तंवर को साफा एवं मालाएं पहनाकर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री लक्ष्मीनारायण दवे ने कहा कि राजेश तंवर की नियुक्ति संगठन द्वारा उनके लंबे समय से किए जा रहे समर्पित कार्यों एवं सक्रिय भूमिका का सम्मान है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि तंवर प्रदेश स्तर पर संगठन की नीतियों को प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

विधायक शोभा चौहान ने कहा कि राजेश तंवर की नियुक्ति सोजत क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। उनके नेतृत्व और कार्यशैली से संगठन को नई मजबूती मिलेगी तथा कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ेगा।

स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश प्रवक्ता राजेश तंवर ने सभी समाजों के पंचों, गणमान्य नागरिकों एवं उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि संगठन और समाज ने जो विश्वास उन पर जताया है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे तथा पार्टी की रीतियों-नीतियों और जनहित के मुद्दों को मजबूती से आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे। कार्यक्रम में गणपत सिंह सांखला, सोहनलाल सांखला, मंडल उपाध्यक्ष जितेंद्र व्यास, नरपत सिंह सोडा, दीपक कुमार, आकाश बोराणा, मदन मोदी, मदन सिंह जोधा, कैलाश चावला, गोपीकिशन राठौड़, राकेश खींची, अमित सोनी, नारायण परिहार, राकेश परिहार, राजेश महावर सहित अनेक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

झड़ाया में यज्ञाचार्य डॉक्टर कृष्ण कुमार शर्मा ने यज्ञ शाला का किया अवलोकन

17 जून से आयोजित होने वाले 108 कुण्डीय श्री राम महायज्ञ पर हुई चर्चा

ऐतिहासिक होग झडाया में आयोजित होने वाला 108 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ

● अतुल्य संसार नेटवर्क

उदयपुरवाटी/सुमेर सिंह राव। उपखंड क्षेत्र के झडाया बजरंग धाम आश्रम पर 17 जून से आयोजित होने वाले 108 कुंडीय श्री राम महायज्ञ को लेकर यज्ञाचार्य डॉक्टर कृष्ण कुमार शर्मा व उप यज्ञाचार्य संजय शास्त्री व यज्ञ समिति के कार्यकर्ताओं ने यज्ञ स्थल व कथा पंडाल का अवलोकन किया द्य रविवार को झडाया बजरंग धाम आश्रम पर मंदिर के महंत महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 श्री सीताराम दास महाराज के सानिध्य में यज्ञ को लेकर यज्ञ सेवा समिति के कार्यकर्ताओं के साथ विचार विमर्श किया गया द्य यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया ने बताया कि इस बार झडाया बजरंग धाम आश्रम पर आयोजित होने वाला 108 कुंडीय श्री राम महायज्ञ बडा ही ऐतिहासिक महायज्ञ होगा द्य यज्ञाचार्य डॉक्टर कृष्ण कुमार शर्मा एवं संजय शास्त्री ने यजमानों की जानकारी का भी ब्यौरा लिया और यज्ञ सामग्री के बारे में बातचीत की द्य कोषाध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल भी अपनी टीम सहित बालाजी धाम पहुंचे व लेखा-जोखा की जानकारी ली द्य यज्ञ सेवा समिति के अध्यक्ष मदनलाल भावरिया ने भी यज्ञ प्रकृति रिपोर्ट प्रस्तुत की द्य भावरिया के अनुसार इस बार आयोजित होने वाला यज्ञ बड़ा ही ऐतिहासिक महायज्ञ होगा जिसकी गूंज पूरे विश्व में सुनाई देगी द्य इस दौरान अजमेरी वाला शजी धाम के महंत का भी यज्ञ सेवा समिति की तरफ से जोरदार सम्मान किया गया। इस दौरान उप यज्ञाचार्य संजय शास्त्री, हजारी प्रसाद कसाना, सुभाष चंद लाम्बा,घासी राम, प्रहलाद राम, मीडिया प्रभारी अशोक जांगिड़, सुंडाराम, महेंद्र तेतरवाल, हनुमान यादव, सेवानिवृत्ति पीटीआई भगवान सहाय यादव सहित कई लोग मौजूद रहे ।

जयपुर में लहरिया 2026 राजस्थानी सांस्कृतिक उत्सव के आधिकारिक पोस्टर का भव्य विमोचन

अतुल्य संसार नेटवर्क

जयपुर । प्रसिद्ध मोती डूंगरी गणेश मंदिर में लहरिया -राजस्थानी कल्चर इवेंट 2026 के आधिकारिक पोस्टर का भव्य विमोचन किया गया। भगवान गणेश के सामने मुख्य आयोजक शिवानी पुरोहित और एसोसिएशन पार्टनर जयपुर वर्किंग वीमेन कम्युनिटी की ओर से दीपा यादव ने इस आगामी कार्यक्रम का पोस्टर लॉन्च किया। इस खास मौके पर दोनों ग्रुप्स की महिला मेंबर्स, उर्मिला जांगीर ,आभा बराडिया , नीलम कुमावत, अंजना अग्रवाल ,गीत शर्मा ,विनिता शर्मा, पिंकी अग्रवाल ,पायल खण्डेलवाल प्रियंका गौतम ,सरिता अग्रवाल ,निर्मला सोनी और पूर्णिमा मुख्य रूप से मौजूद रहीं। सभी महिलाएं पारंपरिक राजस्थानी परिधान और खूबसूरत लहरिया साड़ियों में सज-धज कर पहुंची थीं, जिससे पूरा मंदिर परिसर राजस्थान के जीवंत रंगों से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम के दौरान शानदार ग्रुप फोटोज और प्रोफेशनल वीडियो शूट गोविन्द कुमावत के द्वारा किए गए। इस पोस्टर लॉन्च के जरिए न केवल आने वाले सांस्कृतिक उत्सव की आधिकारिक घोषणा की गई, बल्कि महिलाओं को एक-दूसरे से जुड़ने का एक बेहतरीन मौका भी मिला। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य हमारी राजस्थानी संस्कृति, परंपरा और महिलाओं के आत्मविश्वास को एक साथ मंच पर लाकर जश्न मनाना है। इस आयोजन की होस्ट एंकर सोनाली शर्मा रही।

घटिया निर्माण को लेकर ग्रामीणों में रोष

अतुल्य संसार नेटवर्क

बस्सी । ग्राम सोकिया में ओराई नदी पर निर्माणाधीन अनिकट के कार्य की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों ने आपत्ति जताते हुए निर्माण कार्य रुकवा दिया। सूचना पर संबंधित विभाग के अधिकारी एवं ठेकेदार मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। चर्चा के दौरान अधिकारियों एवं ठेकेदार ने निर्माण कार्य को उच्च गुणवत्ता के साथ करवाने, निर्धारित मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने तथा किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर उसे तत्काल सुधारने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने भी गुणवत्ता बनाए रखने की शर्त पर अपनी सहमति व्यक्त की। इस मौके पर शक्ति केंद्र स्योजक जगदीश सिसोदिया देव राज सिंह शिव लाल सालवी राधेश्याम छोटू प्रभु विनोद किशन हीरा लाल शंभू आदि ग्रामीण उपस्थित रहे!!

सामाजिक संस्था एफर्ट्स में छात्रवृति हेतु 52 बच्चों का चयन किया गया

अतुल्य संसार नेटवर्क

झुंझुनू/अरुण मुंड। अंबेडकर भवन झुंझुनूं में स्कॉलरशिप हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों को चेक करके अनुसूचित समाज के 52 बच्चों का चयन किया गया। कोर कमेटी सदस्यों ने मिलकर बच्चों की आर्थिक स्थिति जानकर उनके मूल दस्तावेज चेक किए। एफर्ट्स झुंझुनू जिले के उन प्रतिभावान बच्चों के लिए कार्य कर रही है जो आर्थिक तंगी के कारण प्रतिभावान होते हुए भी 12 वीं कक्षा के बाद अपने सपनों को पूरा नहीं कर पाते हैं। क्योंकि उनके पास कोचिंग के लिए पैसों का और मोटिवेशन का अभाव होता है। कोर कमेटी सदस्यों ने बताया कि झुंझुनूं जिले से अनुसूचित जाति के 105 बच्चों से ऑफलाइन व ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए थे। जो बच्चे एफर्ट्स के नियमों के दायरे में आते हैं उनको 14 जून रविवार को अंबेडकर भवन झुंझुनूं में सुबह 9 बजे स्कॉलरशिप हेतु चेक वितरण किया जाएगा। नीट,आईआईटी या अन्य प्रतियोगिकी परीक्षाएं जैसे यूपीएससी,व्याख्याता,पटवारी,ग्रामसेवक,शिक्षक,पुलिस सहित किसी भी कंपटीशन एग्जाम की तैयारी हेतु स्कॉलरशिप दी जाएगी। नीट,आईआईटी,यूपीएससी के माध्यम से एवं आरएएस की तैयारी करने वाले बच्चों को तीस-तीस हजार रुपए की स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। इनके अलावा तैयारी करने वाले बच्चों को पंद्रह हजार रुपए तक की स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। एफर्ट्स झुंझुनू की पहली संस्था है जो समाज के अनुसूचित जाति के आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभावान बच्चों को स्कॉलरशिप उपलब्ध करवाती है। संस्था 14 जून को अंबेडकर भवन झुंझुनूं में छात्रवृति चेक वितरण के साथ एफर्ट्स से चयनित 36 बच्चों का सम्मान भी किया जाएगा।इस दौरान ओमप्रकाश भूरिया,मनेश्वर सिरोवा,डॉक्टर राकेश माहीच,महेश जसरापुर,डॉ सुरेश शिला,मनोज नालवा,जितेंद्र गर्वा,सीताराम बास बुडाना,महेश दौलतपुरा,संदीप टंडन,अमरसिंह नारनौलिया,मदनलाल गुडेसर,सुनील गोठवाल सहित सैकड़ों बच्चे एवं अभिभावक मौजूद रहे।

हांगकांग-मकाऊ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आज, वैश्विक परिप्रेक्ष्य में किशोरो के मानसिक स्वास्थ्य पर शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे सर्वेश तिवारी

अतुल्य संसार नेटवर्क

बूंदी। वैश्विक विकास में संस्कृति एवं विज्ञान की भूमिका विषय पर हांगकांग की साइंस टुगेदर व नई दिल्ली की साहित्य संचय शोध संवाद फाउंडेशन के तत्वावधान में 8 जून को हांगकांग-मकाऊ इंटरनेशनल मल्टीडिसिप्लेनरी कॉन्फ्रेंस का आयोजन हांगकांग वांगचुंग रोड स्थित मोहन हॉल में किया जाएगा। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत सहित विभिन्न देशों के 98 शिक्षाविद, शोधकर्ता एवं विशेषज्ञ सहभागिता कर मुख्य थीम से जुड़े विभिन्न संकाय व आयामों के अपने चयनित शोध ऑफलाइन और डिजिटली प्रस्तुत करेंगे। प्रसन्नता का विषय है कि शिक्षा विशेषकर मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यशील रिसर्चर एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सर्वेश तिवारी को इस प्रतिष्ठित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में शोधपत्र प्रस्तुतीकरण हेतु चयनित किया गया है। तिवारी का चयनित शोध पत्र किशोर विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य हेतु मार्गदर्शन एवं परामर्श के सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक आयाम = वैश्विक विकास के परिप्रेक्ष्य में एक अध्ययन वर्तमान समय की ज्वलंत चुनौतियों पर केंद्रित है, जिनसे आज का किशोर वर्ग विश्वस्तर पर जूझ रहा है तथा टूट रहा है जैसे पहचान संकट, एकाकीपन, कठोर प्रतिस्पर्धा, तनाव, भावनात्मक सहयोग की कमी तथा दिखावटी सोशल मीडिया संस्कृति। शोध पत्र में इन समस्याओं के समाधान हेतु एक सांस्कृतिक-वैज्ञानिक समन्वित परामर्श मॉडल प्रस्तुत किया गया है, जिसमें वैज्ञानिक परामर्श तकनीकों को भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के साथ जोड़कर मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन की प्रभावी दिशा सुझाई गई है। हाइब्रिड मोड़ पर डिजिटली प्रस्तुत किए जाने वाले इस शोध के अनुसार मानवतावादी एवं संज्ञानात्मक-व्यवहारात्मक परामर्श, जीवन-कौशल शिक्षा और प्रमाण-आधारित हस्तक्षेप जैसे वैज्ञानिक आयामों को पारिवारिक सहयोग, नैतिक मूल्यों, सामाजिक सहभागिता, सामुदायिक समर्थन और भारतीय सांस्कृतिक दृष्टि जैसे सांस्कृतिक आयामों के साथ समन्वित कर किशोरों में आत्म-जागरूकता, भावनात्मक संतुलन, समस्या-समाधान क्षमता एवं मानसिक लचीलेपन का विकास किया जा सकता है। शोध का निष्कर्ष है कि ऐसा समन्वित मार्गदर्शन मॉडल न केवल किशोर मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाता है, बल्कि सकारात्मक व्यक्तित्व, सामाजिक उत्तरदायित्व और सतत वैश्विक विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। सर्वेश तिवारी का यह शोध कार्य स्वयं के दीर्घकालीन अनुभव, जिले के राजकीय विद्यालयों में प्रायोगिक अध्ययन व वैश्विक शोध विश्लेषणों के आधार पर प्रोफेसर डॉ. सपना जोशी के सानिध्य में संपादित किया गया है।

सीमल्या में अतिक्रमण तोड़ा, मुलभुत सुविधाएं देना भुले

दुकानों के सामने तोड़े नालों की सफाई नहीं होने से व्यापारी परेशान

अतुल्य संसार नेटवर्क

कोटा । सीमल्या कस्बा सांगोद विधानसभा का दुसरा बड़ा कस्बा होने के बाद भी यहां के लोग मुलभुत सुविधाओं के अभाव में जुझ रहे है, सीमल्या कस्बै में गत दिनों नालों की सफाई के नाम पर दुकानो व मकानों का अतिक्रमण तोड़ा गया, लेकिन जिम्मेदार जनप्रतिनिधि व अधिकारी कस्बैवासियो को सुविधाएं देना भुल गये है। कस्बै में अघोषित बिजली कटौती, रोड लाईट नहीं होने, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरो कि कमी, विधुत विभाग का अईएन आफिस नहीं होने, किसी भी संकाय का महाविधालय नहीं होने, पंचायत समिति की कमी, मुख्य बाजार में सुविधाघर नहीं होने, आरओ फिल्टर प्लांट नहीं होने, मृत मवेशियों व कचरा निस्तारण की स्थाई जगह नहीं होने, आंगनबाड़ी भवन नहीं होने जैसी कही मुलभुत सुविधाओं का अभाव है। अतिक्रमण के दौरान कस्बै के मुख्य बाजार में बने नालों के उपर रखी पट्टियों को तोड़ें हुए 25 दिन हो गये है जिससे कही दुकानदारो की दुकाने पिछले कही दिनों से बंद है कहीं दुकानों में जानू का रास्ता नहीं बचा है। लेकिन अभी तक भी नालों की सफाई नहीं की गयी है। मुख्य बाजार में दुकानों व मकानों के सामने बने नालो की सफाई नहीं करने से दुकानदारों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। खुले नालो में भरी गंदगी सड़ांध मार रही है। वहीं खुले नालों में गिरने का डर सता रहा है। कुछ दिन पुर्व एक व्यापारी खुले नाले में गीर गया जिससे उसके शरीर पर चोटे आयी हे। वहीं जल संसाधन विभाग द्वारा कस्बै में नाला निर्माण का काम किया जा रहा है लेकिन अतिक्रमण टुटे हुए एक माह होने को है लेकिन अभी तक भी 25 मीटर नाला भी नहीं बना पाये है। वहीं मुख्य सड़क के दुसरी ओर बनी नाली मलबे से अटी पड़ी है जिसके कारण मुख्य बाजार की सड़क पर किचड़ फैला रहता है। जिससे यहां से गुजरने वाले राहगीरों को गंदगी से होकर गुजरना पड़ता है वहीं ग्रामीणो का कहना है कि नाला निर्माण कंपनी द्वारा नाला निर्माण कार्य में भेदभाव किया जा रहा है, वहीं नाला निर्माण के दौरान खोदी गयी मिट्टी को ग्राम पंचायत द्वारा 200 रूपये ट्रॉली में बेचकर निजी आय तो बढ़ा रही है लेकिन कस्बै कै मुक्तिधाम परिसर में हो रहे गहरे गड्ढे को भरवाना भुल गयी है। वहीं ग्राम पंचायत द्वारा अब तक मिटटी के दो सो रुपये के दो हजार टॉकन जारी किये गये है जिनसे लगभग 4 लाख रुपए की निजी आय बढ़ी है। लेकिन ग्राम पंचायत के खाते में अभी तक एक लाख अस्सी हज़ार रुपए ही जमा करवाये गये है। वहीं कस्बै के पावर हाउस बस्ती के रास्ते पर किचड हो रखा है। सब्जी मंडी परिसर की चार दिवारी टुटी हुई है, मंडी परिसर व मुख्य बाजार में लगा ठंडे पानी का वाटर कुलर खराब हो रखा है, कस्बै में सुविधाघर नहीं है। कस्बै के व्यापारीयो व ग्रामवासियों ने जिम्मेदार जनप्रतिनिधियो व अधिकारियों से समस्याओं से निजात दिलाने की बात कही है।

1.योगेंद्र गोतम

ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत सीमल्या

मुख्य बाजार की नाली अतिक्रमण की कार्रवाई के दौरान मलबे से भर गयी है सफाई के लिए पिडब्लुडी के अधिकारीयो को बोल रखा है सीमल्या मुक्तिधाम परिसर में हो रहे गहरे गड्ढे में भी जल्द ही मिट्टी डलवाकर भरवाया जाएगा।

2. सिंटू धाकड़ पुर्व अध्यक्ष व्यापार महासंघ सीमल्या कस्बै के लोग आज भी मुलभुत सुविधाओं के अभाव में जुझ रहे है। पिछले एक माह से व्यापार प्रभावित हो रहा है। सड़क, नाली, पानी, बिजली जैसी मुलभुत सुविधाओं की मांग पर बुधवार को धरने पर बैठने का फैसला लिया है?।

3. सतिश शर्मा ग्रामीण :

सीमल्या मुक्तिधाम परिसर में हो रहे गहरे गड्ढे में मिट्टी डलवाने को लेकर कहीं बार ग्राम पंचायत को अवगत करवा दिया है। लेकिन समस्या जब की तस है मिट्टी डलवाने की मांग को लेकर जल्द ही धरने पर बैठुंगा।

वंशिका गर्ग के लापता होने के एक दिन बाद मिला शव, परिजनों ने पुलिस जांच पर उठाए सवाल; आरयूएचएस के बाहर सैकड़ों लोगों ने न्याय की मांग की

संयुक्त अभिभावक संघ ने कहा यह केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, पूरे समाज के लिए गंभीर चेतावनी है। बेटी पढ़ तो लेगी, लेकिन उसकी सुरक्षा कौन करेगा?

जयपुर। प्रताप नगर थाना क्षेत्र के सेक्टर-17 निवासी मनीष गर्ग की 15 वर्षीय पुत्री वंशिका गर्ग का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने के बाद मामले ने गंभीर रूप ले लिया है। रविवार को आरयूएचएस अस्पताल के बाहर परिजनों, समाजजनों एवं संयुक्त अभिभावक संघ के पदाधिकारियों ने एकत्रित होकर निष्पक्ष जांच और दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। पिता मनीष गर्ग के अनुसार वंशिका 05 जून को अपनी माता की दुकान के पास से लापता हो गई थी। काफी तलाश के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिलने पर परिवार ने उसी रात लगभग 10:30 बजे प्रताप नगर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। परिजनों का कहना है कि उन्होंने पुलिस को एक संदिग्ध युवक के संबंध में जानकारी एवं उसका मोबाइल नंबर भी उपलब्ध कराया गया था। इसके बावजूद अगले दिन 06 जून को वंशिका का शव प्रताप नगर स्थित एआईएस रेजिडेंसी के बी-ब्लॉक क्षेत्र में मिला। यह क्षेत्र संवेदनशील माना जाता है, जहां कई वरिष्ठ अधिकारियों एवं प्रभावशाली व्यक्तियों के सरकारी आवास स्थित हैं। पिता का आरोप है कि मामले की जांच निष्पक्ष रूप से नहीं की जा रही तथा पुलिस की कार्यप्रणाली संदेह उत्पन्न कर रही है। मृतका के पिता मनीष गर्ग ने आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन बिना परिवार को पर्याप्त सूचना दिए शव को अपने कब्जे में लेकर आरयूएचएस अस्पताल पहुंच गया। उनका कहना है कि परिवार को बेटी का शव देखने और घर ले जाने की अनुमति भी नहीं दी गई, जिससे उनकी आशंकाएं और गहरी हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस तथ्यों को स्पष्ट रूप से साझा नहीं कर रही तथा मामले में कई महत्वपूर्ण प्रश्न अब भी अनुत्तरित हैं। जिसके चलते समाजजनों से न्याय दिलवाने के लिए सामूहिक गुहार लगाई गई थी जिसके बाद रविवार को हॉस्पिटल के बाहर बड़ी संख्या में लोगों ने एकत्रित होकर न्याय की गुहार लगाई। संयुक्त अभिभावक संघ के प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक जैन बिट्टू ने कहा कि किसी भी नाबालिग बालिका के लापता होने की सूचना मिलने पर पुलिस की तत्काल और प्रभावी कार्रवाई सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। ऐसे मामलों में प्रत्येक मिनट महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि यह जांच का विषय है कि सूचना मिलने के बाद पुलिस ने कौन-कौन से कदम उठाए, संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ कब की गई और खोजबीन की प्रक्रिया कितनी गंभीरता से अपनाई गई। संयुक्त अभिभावक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल ने कहा कि यदि मामले में किसी प्रभावशाली व्यक्ति अथवा उसके सहयोगियों की संलिप्तता की आशंका है, तो जांच को प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रकरण की जांच किसी वरिष्ठ अधिकारी अथवा स्वतंत्र विशेष जांच दल (एसआईटी) से करवाई जानी चाहिए। इससे पीड़ित परिवार और समाज का विश्वास कायम रहेगा तथा दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित हो सकेगी। संयुक्त अभिभावक संघ ने राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन से मांग की है कि वंशिका गर्ग प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध जांच कराई जाए, सभी तथ्यों को सार्वजनिक किया जाए तथा दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाए।

साईकिल चलाकर फिट रहने का दिया संदेश, संडे आन साईकिल कार्यक्रम का आयोजन

अतुल्य संसार नेटवर्क

विजयपाल सैनी शाहपुरा। फिट इंडिया मूवमेंट के तहत रविवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रणवीर सिंह व थाना प्रभारी रिया चौधरी के नेतृत्व में संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम का आयोजन हुआ। एएसपी व थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस व युवाओं ने साइकिल चलाकर फिट रहने का संदेश दिया। रैली थाना परिसर से मंडी तिराहा, मुख्य बस स्टैंड, पुराना बस स्टैंड, दिल्ली रोड़ व त्रिवेणी रोड़ होते हुए निकाली गई। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रणवीर सिंह ने कहा कि साइकिल चलाने से हम जीवन में बैलेंस करना सीखते है। साइकिल का उपयोग करने से ना केवल शरीर फिट रहता है साथ ही व्यक्ति स्वस्थ भी रहता है। थाना प्रभारी रिया चौधरी ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन को बेहतर स्वास्थ्य, प्रदूषण नियंत्रण, ईंधन की बचत और सक्रिय जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। सभी को फिट बनाए रखने के लिए साइकिल चलाना जरूरी है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी व युवा मौजूद थे।

जेल में बंदियों के मनोरंजन एवं जागरूकता हेतु वूमेन्स एम्पावरमेंट एंड वेलफेयर सोसाइटी ने भेंट किया एलईडी टीवी -सुशीला सारस्वत

अतुल्य संसार नेटवर्क

जयपुर। समाज सेवा एवं जनकल्याण के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय वूमेन्स एम्पावरमेंट एंड वेलफेयर सोसाइटी, जयपुर द्वारा जेल में निरुद्ध बंदियों के मनोरंजन, ज्ञानवर्धन एवं जागरूकता के लिए एक एलईडी टीवी भेंट किया गया। संस्था की अध्यक्षा सुशीला सारस्वत ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य बंदियों को देश-दुनिया की ताजा खबरों, सामाजिक गतिविधियों, शैक्षणिक कार्यक्रमों तथा प्रेरणादायक सामग्री से जोड़ना है, जिससे वे समाज और राष्ट्र की गतिविधियों से अवगत रह सकें। सारस्वत ने कहा कि जेल में निरुद्ध बंदी भी समाज का अभिन्न हिस्सा हैं। उनके मानसिक, सामाजिक एवं नैतिक विकास के लिए सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। एलईडी टीवी के माध्यम से बंदी अब राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय समाचार, सरकारी योजनाओं, शैक्षणिक कार्यक्रमों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों तथा प्रेरणादायक प्रसारणों का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। इससे उनके ज्ञान में वृद्धि होगी तथा उनमें सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास का विकास होगा। उन्होंने बताया कि आज के सूचना एवं प्रौद्योगिकी युग में समाचार और जानकारी व्यक्ति के जीवन को नई दिशा देने का कार्य करते हैं। जेल परिसर में यह सुविधा उपलब्ध होने से बंदियों को देश-दुनिया की घटनाओं, सामाजिक परिवर्तनों तथा विकास कार्यों की जानकारी मिलेगी, जो उनके पुनर्वास और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने में सहायक सिद्ध होगी। यह जनहितकारी कार्य जिला संयोजक सरिता मीना, दीपक छींपा एवं अनुज व्यास के विशेष सहयोग तथा पूर्व प्रदेश मंत्री भाजपा तथा वर्तमान कार्यकारिणी सदस्य भाजपा रंजीत सिंह सोडाला की प्रेरणा से संपन्न हुआ। संस्था ने इन सभी समाजसेवियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग और मार्गदर्शन से समाज हित के अनेक कार्य सफलतापूर्वक किए जा रहे हैं। संस्था की अध्यक्षा ने कहा कि वूमेन्स एम्पावरमेंट एंड वेलफेयर सोसाइटी महिलाओं के सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता एवं मानव सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। भविष्य में भी संस्था समाज के वंचित, जरूरतमंद एवं उपेक्षित वर्गों के हित में इसी प्रकार के सेवा कार्यों को आगे बढ़ाती रहेगी। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य नागरिकों एवं समाजसेवियों ने संस्था की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के साथ-साथ मानवता की सच्ची सेवा का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। बंदियों के लिए उपलब्ध कराई गई यह सुविधा उनके जीवन में नई उम्मीद, जागरूकता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करेगी।

अशोक खींची बने तीसरी बार सोजत उपखंड पत्रकार संघ के अध्यक्ष

● अतुल्य संसार नेटवर्क

सोजत सिटी/मीठालाल पंवार। सोजत उपखंड पत्रकार संघ की बैठक रविवार को जैकल माता मंदिर के समीप स्थित नाकोड़ा होटल में आयोजित हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, पत्रकार हितों की सुरक्षा तथा भविष्य की गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित पत्रकारों की सर्वसम्मति से वरिष्ठ पत्रकार अशोक खींची को लगातार तीसरी बार सोजत उपखंड पत्रकार संघ का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। अध्यक्ष चुने जाने पर पत्रकारों ने अशोक खींची का पुष्पमालाओं से स्वागत कर शुभकामनाएं दीं। नवनिर्वाचित अध्यक्ष खींची ने सभी पत्रकार साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की एकता को और मजबूत बनाने, पत्रकारों के अधिकारों एवं हितों की रक्षा करने तथा निष्पक्ष एवं मूल्याधारित पत्रकारिता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। उन्होंने सभी सदस्यों से संगठन को और अधिक सशक्त बनाने में सहयोग की अपील की।बैठक में पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सामाजिक सरोकारों तथा संगठन की आगामी कार्ययोजना पर भी विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित पत्रकारों ने संगठन को मजबूत एवं सक्रिय बनाए रखने तथा पत्रकारिता के उच्च मूल्यों को कायम रखने का संकल्प लिया। इस मौके पर पत्रकार धनाराम परिहार,मीठालाल पंवार, ओम नारायण पाराशर, श्याम नारायण पाराशर, प्रकाश राठौड़, दिलखुश गहलोत,आमीर रजा,संजय परिहार, अकरम खान, अब्दुल समद राही, नथाराम बोराणा, ओमप्रकाश बोराणा, निर्मल वैष्णव, जीवाराम जाट, अजय जोशी, बाबूलाल पंवार, राजेश शर्मा, जय नारायण सिंह टांक, ललित तिवारी, राजेंद्र सिंह राठौड़, मनीष मेवाड़ा, रमेश भट्ट, अशोक सिंह सोलंकी, राकेश पंचारिया, तरुण कुमार उदित, हीरालाल शर्मा, आसिफ गोरी, खीवाराम देवासी, भुवनेश गर्ग, ईश्वरलाल दमामी, कालूराम खजवानिया, उगमराज चौहान, गोविंद गर्ग, दीपक गर्ग, लक्ष्मण परिहार सहित बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे। बैठक का समापन संगठन की एकजुटता, पत्रकार हितों के संरक्षण तथा जनपक्षीय पत्रकारिता के प्रति प्रतिबद्धता के संकल्प के साथ हुआ।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर कोटा स्टेशन पर जागरूकता अभियान

खाद्य विक्रेताओं को स्वच्छता एवं सुरक्षित भोजन परोसने के नियमों की दी गई जानकारी

● अतुल्य संसार नेटवर्क

कोटा। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर कोटा रेलवे स्टेशन पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंडल के चिकित्सा एवं वाणिज्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में स्टेशन पर संचालित खाद्य स्टॉलों एवं ट्रॉलियों के विक्रेताओं को यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में बताया गया कि इस वर्ष विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस का विषय समस्या से समाधान की ओर – हर जगह सुरक्षित भोजन है। इसका उद्देश्य खाद्यजनित बीमारियों की रोकथाम तथा सभी लोगों तक सुरक्षित भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। अधिकारियों ने बताया कि दूषित भोजन स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका एवं अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, जबकि उचित सावधानियों के माध्यम से ऐसी समस्याओं को काफी हद तक रोका जा सकता है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री दिनेश कुमार मीणा ने विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा मानकों एवं यात्रियों के स्वास्थ्य के प्रति उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि किसी भी खाद्य सामग्री को समाचार पत्र में लपेटकर अथवा रखकर यात्रियों को नहीं दिया जाना चाहिए। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा इस पर प्रतिबंध लगाया गया है, क्योंकि समाचार पत्रों की स्याही में मौजूद रासायनिक तत्व भोजन को दूषित कर सकते हैं तथा स्वास्थ्य के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकते हैं। विशेष रूप से गर्म एवं तैलीय खाद्य पदार्थों में यह जोखिम अधिक बढ़ जाता है। कार्यक्रम में विक्रेताओं को अपने हाथों एवं नाखूनों की नियमित सफाई रखने, खाद्य सामग्री को सदैव ढककर रखने, स्वच्छ बर्तनों का उपयोग करने तथा खाद्य पदार्थों के भंडारण एवं पैकिंग में स्वच्छ एवं मानक सामग्री का ही प्रयोग करने के निर्देश दिए गए। साथ ही स्पष्ट किया गया कि खाद्य सामग्री रखने, परोसने अथवा पैक करने के लिए समाचार पत्र का उपयोग पूर्णत: निषिद्ध है। इस अवसर पर स्टेशन अधीक्षक (वाणिज्य) श्री विकास गुप्ता, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक श्री ओ.पी. राठौर, चिकित्सा स्वास्थ्य निरीक्षक श्री विष्णु कुमार शर्मा, मुख्य टिकट निरीक्षक श्री विपुल जैन, श्री पुरुषोत्तम मीणा सहित संबंधित विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे। रेल प्रशासन का उद्देश्य यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करना है।

किसानों के हितों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध भजनलाल सरकार : मदन राठौड़

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के प्रयासों से एमएसपी पर गेहूं खरीद की समय सीमा बढ़ी, किसानों को मिली बड़ी राहत

अब 12 जून तक एमएसपी पर खरीदा जाएगा गेहूं, गेहूं खरीद का लक्ष्य बढ़ाकर किया 28.5 लाख मीट्रिक टन

● अतुल्य संसार नेटवर्क

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को किसान मोर्चा हनुमानगढ़ के पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील गोदारा द्वारा लिखे गए पत्र पर राज्य सरकार ने त्वरित संज्ञान लेते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद की समय सीमा बढ़ाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भजनलाल सरकार के इस निर्णय से श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ सहित प्रदेश के किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। राठौड़ ने बताया कि किसान नेता सुशील गोदारा ने विगत दिनों पत्र लिखकर अवगत कराया था कि श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ क्षेत्र में बड़ी संख्या में किसानों का गेहूं अभी भी खरीद केंद्रों पर नहीं बिक पाया है। गोदारा ने गेहूं खरीद की समय सीमा बढ़ाने तथा पर्याप्त बारदाने की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की थी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार किसानों के हितों में जनकल्याण के लिए सदैव तत्पर है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के समक्ष किसानों की इस समस्या को रखने पर उन्होंने एमएसपी पर गेहूं खरीद की समय सीमा बढ़ाते हुए 12 जून करने का फैसला किया। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री शर्मा ने गेहूं खरीद का लक्ष्य 28.5 लाख मीट्रिक टन कर दिया। राठौड़ ने कहा कि भाजपा सदैव किसान हितों के प्रति प्रतिबद्ध रही है। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के हजारों किसानों को अपनी उपज समर्थन मूल्य पर बेचने का अवसर मिलेगा और उन्हें आर्थिक राहत प्राप्त होगी। राठौड़ ने भजनलाल सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि इससे किसानों, मजदूरों और कृषि व्यापार से जुड़े लोगों को लाभ मिलेगा तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

छापे के नाम पर खादी-बीज व्यापारियों को डराया गया: डोटासरा

मंत्री द्वारा नामित अधिकारी करोड़ों के साथ पकड़ा गया, जवाब दें किरोड़ी मीणा

जयपुर। बीकानेर में बीज निगम के नामित निदेशक जुगल किशोर विश्नोई की गिरफ्तारी के बाद पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा पर सवाल खड़े किए। डोटासरा ने कहा कि जो लोग छापे की कार्रवाई में मंत्री के साथ होते थे। वहीं करोड़ों की सौदेबाजी करते पकड़े गए हैं। कृषि मंत्री के साथ कार्रवाई करने वाले अधिकारी करोड़ों रुपए की रिश्वत लेने का साहस कर रहे थे तो ये पैसा आखिर कहां तक पहुंच रहा था? क्या इसकी डोर ऊपर तक जुड़ी हुई है? या फिर मंत्री जी इस भारी भ्रष्टाचार से बेखबर थे? डोटासरा ने कृषि मंत्री से सवाल किया कि यह भ्रष्टाचार का खेल किसके संरक्षण में चल रहा था।

सरकार के संरक्षण में डकैती

डोटासरा ने कहा- भ्रष्टाचार का जो मॉडल राजस्थान के अंदर अपनाया गया, उससे किसान तो बर्बाद हुआ ही, भ्रष्टाचार की भेंट व्यापारी चढ़ गए। छापे के नाम पर व्यापारियों को प्रताड़ित किय गया, उनको डराया, धमकाया गया और कार्रवाई का डर दिखाकर रुपए एकत्र किए गए। उन्होंने कहा कि यह सरकार के संरक्षण में डाली गई डकैती है। मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने शनिवार को कहा था कि कोई भ्रष्टाचार को प्रमाणित कर दें तो मैं इस्तीफा दे दूंगा, मैं उनके इस्तीफे की बात नहीं करता। मंत्री प्रदेश की जनता को बताए कि किसकी शह पर उनके द्वारा नामित अधिकारी बीज-खाद विक्रेता लूट रहे थे।

एसीबी ने 2.43 करोड़ रुपए बरामद किए

बीकानेर में रविवार को एसीबी को प्राइवेट बस में सफर कर रहे युवक के पास 85 लाख रुपए नकद मिले। पूछताछ में सामने आया है कि ये रकम बीज निगम के नामित निदेशक जुगल किशोर बिश्नोई के श्रीगंगानगर स्थित ठिकाने पर पहुंचाई जानी थी। युवक के इनपुट के बाद एसीबी की दूसरी टीम ने बीज निगम के नामित निदेशक जुगल किशोर बिश्नोई के घर पर छापा मारा। जहां से 1 करोड 58 लाख रुपए कैश मिले। एसीबी ने 2 कार्रवाई में कुल 2.43 करोड़ रुपए कैश बरामद किए। एसीबी टीम बस से पकड़े गए युवक स्वतंत्र ज्याणी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मामले में जुगल किशोर बिश्नोई से भी पूछताछ की जाएगी।

नागौर क्रिकेट संघ के निष्कासन पर भड़के राजेंद्र सिंह नांदू

बोले- अनुकंपा नियुक्ति वाले चला रहे एडहॉक कमेटी, धनंजय बोले- मानसिक संतुलन खो चुके

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के नागौर जिला क्रिकेट एसोसिएशन को निष्कासित किए जाने के बाद विवाद गहरा गया है। नागौर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह नांदू ने RCA एडहॉक कमेटी पर आरोप लगाया कि कमेटी में अनुकंपा नियुक्ति वाले लोग बैठे हैं। एक सदस्य मंदबुद्धि बालक की तरह काम कर रहा है। वहीं, धनंजय सिंह खींवसर का कहना है कि राजेंद्र सिंह भ्रष्टाचार से भरा अपना अस्तित्व खोने पर पूरी तरह से मानसिक संतुलन खो चुके हैं। नांदू ने दावा किया कि नागौर जिला क्रिकेट संघ के खिलाफ की गई कार्रवाई पूरी तरह नियमों के विपरीत और दुर्भावनापूर्ण है। इस फैसले के खिलाफ अदालत में कानूनी लड़ाई लड़ूंगा। बीजेपी नेतृत्व के सामने भी पूरे मामले को उठाएंगे। राजेंद्र सिंह नांदू ने कहा- आरसीए एडहॉक कमेटी का भेजा निष्कासन पत्र मुझे नहीं मिला है। लेकिन इससे डरने वाला नहीं हूं। मैं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हूं। भाजपा की विचारधारा के साथ खड़ा रहूंगा। नांदू ने आरोप लगाया कि एडहॉक कमेटी के मौजूदा सदस्य चुनाव जीतकर नहीं आए हैं। उन्हें नियुक्त किया गया है। इसी वजह से वे अपने पद की गरिमा बनाए रखने में विफल रहे हैं। नांदू ने दावा किया कि नागौर जिला क्रिकेट संघ को जिस आधार पर निष्कासित किया गया है, वह पूरी तरह गलत है। साल 2025 तक के सभी दस्तावेजों और रिकॉर्ड की जांच ऋष्ट की निगरानी में पहले ही हो चुकी थी। उसकी रिपोर्ट भी उपलब्ध है। उन्होंने आरोप लगाया कि 15 मई को नियमों के विपरीत जनरल बॉडी मीटिंग आयोजित कर अल्पमत के बावजूद मेरे खिलाफ कार्रवाई की गई। एडहॉक कमेटी में नए सदस्य जुड़ने के बाद निष्कासन का निर्णय लिया गया, जो पूरी तरह अनुचित है। राजेंद्र सिंह नांदू ने दावा किया कि धनंजय सिंह कांग्रेस नेताओं के प्रभाव में काम कर रहे हैं। पहले भी बीजेपी नेताओं के खिलाफ बयान देते रहे हैं। नागौर में ऐसे लोगों को क्रिकेट प्रशासन में जिम्मेदारियां दी जा रही हैं। जिन्होंने भाजपा नेता ज्योति मिर्धा के खिलाफ चुनाव प्रचार किया था।

जयपुर के कई इलाकों में 24 घंटे बंद रहेगा इंटरनेट

जेडीए करेगा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, सोशल मीडिया पर भी रोक

जयपुर। राजधानी जयपुर में सोमवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से पहले जिला प्रशासन ने कई क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाओं पर अस्थायी रूप से रोक लगाई है। कानून और शांति व्यवस्था बनाने के उद्देश्य से यह प्रतिबंध लगाया गया है। प्रशासन को आशंका है कि सोशल मीडिया और इंटरनेट आधारित प्लेटफॉर्म्स के जरिए अफवाहें फैलाकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जा सकती है। जयपुर संभागीय आयुक्त वी. सरवन कुमार ने आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार- रविवार रात 12 से सोमवार रात 12 बजे तक कई इलाकों में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद रहेंगी। इस दौरान 2%, 3%, 4% और 5% मोबाइल इंटरनेट सेवाएं पूरी तरह निलंबित रहेंगी। जयपुर के जगतपुरा क्षेत्र में नंदपुरी अंडरपास से रेलवे लाइन के समानांतर बनी सड़क को 80 फीट चौड़ा करने के लिए सोमवार को अभियान चलाया जाएगा।

जेडीए की कार्रवाई के मद्देनजर लिया गया फैसला

प्रशासन के अनुसार- जयपुर विकास प्राधिकरण की सोमवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई प्रस्तावित है। इसे लेकर पुलिस और प्रशासन हाई अलर्ट पर हैं। अधिकारियों का मानना है कि कुछ असामाजिक तत्व सोशल मीडिया के माध्यम से भ्रामक सूचनाएं या भड़काऊ सामग्री प्रसारित कर सकते हैं, जिससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है। इसे देखते हुए एहतियातन इंटरनेट सेवाओं पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया है।

पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क

प्रशासन ने पहले ही संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया है। सोशल मीडिया पर निगरानी रखने के लिए साइबर टीमों को भी सक्रिय किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी प्रकार की अफवाह, भ्रामक सूचना या शांति व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

आमजन से सहयोग की अपील

जिला प्रशासन ने नागरिकों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की है। साथ ही लोगों से कहा गया है कि वे किसी भी अपुष्ट सूचना पर विश्वास न करें और प्रशासन की ओर से जारी आदेशों का पालन करें। आदेश की अवहेलना करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। छुष्ट की प्रस्तावित कार्रवाई और उससे जुड़े सुरक्षा इंतजामों को देखते हुए सोमवार को जयपुर में प्रशासनिक और पुलिस स्तर पर व्यापक सतर्कता देखने को मिलेगी।

वॉट्सएप, फेसबुक और एक्स सहित कई सेवाएं रहेंगी बंद

आदेश के तहत केवल मोबाइल डेटा सेवाएं ही नहीं, बल्कि बल्क स्स्र और इंटरनेट आधारित मैसेजिंग सेवाओं पर भी रोक रहेगी। वॉट्सएप, फेसबुक, एक्स (पूर्व में ट्विटर) सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की सेवाएं भी निलंबित रहेंगी। हालांकि आवश्यक सरकारी और इमरजेंसी सेवाओं को नियमानुसार छूट दी जा सकती है।

इन थाना क्षेत्रों में रहेगा इंटरनेट बंद

यह प्रतिबंध जयपुर पुलिस कमिश्नरेट और जयपुर जिले के व्यापक क्षेत्र में लागू रहेगा। जिन प्रमुख थाना क्षेत्रों में इंटरनेट सेवाएं बंद रहेंगी, उनमें गलता गेट, माणक चौक, सुभाष चौक, आदर्श नगर, ब्रह्मपुरी, नाहरगढ़, कोतवाली, जालूपुरा, संजय सर्किल, शास्त्रीनगर, भट्ठा बस्ती, विद्याधर नगर, जयसिंहपुरा खोर, बनीपार्क, कानोता, तूंगा, आंधी, जमवारामगढ़, सामोद, रायसर और गोविंदगढ़ हैं। इनके अलावा चंदवाजी, शाहपुरा, अचरोल, विराटनगर, पावटा, प्रागपुरा, मनोहरपुर, भाबरू, कालाडेरा, चौमूं, हरमाड़ा, झोटवाड़ा, करधनी, वैशाली नगर, सोडाला, श्याम नगर, गांधी नगर, बजाज नगर, मालवीय नगर, जवाहर सर्किल, सांगानेर, प्रताप नगर, मुहाना, शिवदासपुरा, बगरू, दूदू, फागी और फुलेरा सहित जयपुर उत्तर और जयपुर पूर्व जिले के सभी थाना क्षेत्र शामिल हैं।

विधायक बने पूर्व आईपीएल बोले-ममता बनर्जी मनोबल नहीं तोड़ पाईं

10 साल तक पुलिस पोस्टिंग नहीं दी, मुझे बहुत प्रताड़ित किया गया

जयपुर। पूर्व आईपीएस अधिकारी और बंगाल में भाजपा विधायक डॉ. राजेश कुमार सुरोलिया ने कहा है कि ममता बनर्जी 2021 में नंदीग्राम से चुनाव हार गई थीं। चुनाव हारने के बाद उन्होंने मुझे आठ महीने तक कंपलसरी वेटिंग पर रखा। पिछले 10 सालों में मुझे किसी पुलिस पोस्टिंग पर नहीं रखा गया। मुझे केवल सिविल पोस्टिंग दी गई। उन्होंने कहा- व्यक्तिगत तौर पर मुझे बहुत प्रताड़ित किया गया। मुझे तोड़ने की कोशिश की गई, लेकिन मेरा मनोबल नहीं तोड़ा जा सका। मुझे खुशी है कि आज मुझे नए प्लेटफॉर्म पर लोगों की सेवा करने का अवसर मिला है। जयपुर में लघु उद्योग भारती की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में पहुंचे डॉ. सुरोलिया ने बातचीत में अपने राजनीतिक सफर और बंगाल की राजनीति को लेकर खुलकर बात की।

रिटायरमेंट के बाद भी जनसेवा का ही लक्ष्य था

आईपीएस से सीधे राजनीति में आने के सवाल पर डॉ. सुरोलिया ने कहा- यह भगवान राम की कृपा है कि मुझे इस लायक समझा गया कि मैं चुनाव लड़कर जीतकर आ सकूं। भाजपा के सीनियर नेताओं ने मुझ पर भरोसा जताया। मैंने पुलिस सेवा में 36 साल बिताए और वहां भी जनसेवा के काम में लगा रहा। राजनीति में आने के बाद जनसेवा का बड़ा मंच मिला। मैं खुद को इसके लिए समर्पित करना चाहता हूं। उन्होंने कहा- मैंने सीपीएम के साथ भी काम किया, ममता बनर्जी के साथ भी काम किया। दिल्ली में भी सात साल काम किया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रदीप कुमार सोलंकी द्वारा महानगर मल्टीमीडिया प्रा. लि. जी-848, फेज 3, रीको सीतापुरा, जयपुर (राज.) से मुद्रित एवं 227-हीरालाल की गली, झालाना, मालवीय नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
सम्पादकः प्रदीप कुमार सोलंकी, मो. 93510-01100, Email: atulyasansar@gmail.com संपादकीय कार्यालयः जगतपुरा फ्लाईओवर के पास, जगतपुरा जयपुर।